

मुख्यमंत्री ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर किया आदमकद प्रतिमा का अनावरण

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम अब अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी होगा



छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। बंगाल की खाड़ी में बने अर्नब चक्रवात के कारण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सरगुजा दौरा स्थगित हो गया, लेकिन बाबा कार्तिक उरांव जन्मशताब्दी समारोह का उत्साह कम नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को रायपुर स्थित सिविल लाइन मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल माध्यम से अम्बिकापुर में आयोजित समारोह में शामिल होकर जनजातीय समाज के महान जननायक, प्रख्यात अभियंता एवं पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इसके पहले शहर में बरसते पानी में महारैली निकली, जिसमें परंपरागत वेशभूषा में लोग शामिल हुए। सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज सहित कई जनप्रतिनिधि भी इस मौके पर उपस्थित रहे।



बाबा कार्तिक उरांव का जीवन स्वाभिमान और उत्थान के लिए समर्पित रहा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव केवल जनजातीय समाज के नेता नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी विचारक, उच्च शिक्षित अभियंता और समाज के अधिकारों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने उस समय इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और विदेश में भी उच्च अध्ययन किया, जब जनजातीय समाज के लिए शिक्षा के अवसर अत्यंत सीमित थे। उनको यह उपलब्धि पूरे समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन बनाया। उनका विश्वास था कि शिक्षा, संगठन और जागरूकता के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए विकास की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने समाज को अपनी परंपराओं, संस्कृति और मूल पहचान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। सांसद के रूप में उन्होंने लोकसभा में जनजातीय समाज की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। धर्मांतरण के बाद जनजातीय आरक्षण एवं अन्य संवैधानिक सुविधाओं के लाभ से जुड़े विषयों को भी उन्होंने प्रमुखता से उठाया था। उनका मानना था कि जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराएं और रीति-रिवाज ही उसकी मूल पहचान हैं, इनका संरक्षण करते हुए शिक्षा और तकनीक से जोड़ना आवश्यक है।

इंजीनियरिंग कॉलेज का नामकरण नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष पूर्व इस प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया था और आज यह संकल्प साकार हो रहा है। इसके लिए महापौर मंजूषा भगत, जनप्रतिनिधियों और नगर निगम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव स्वयं प्रतिभाशाली अभियंता थे, इसलिए उनके नाम पर इंजीनियरिंग संस्थान का नामकरण विशेष महत्व रखता है। यह संस्थान न केवल तकनीकी शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उनके संघर्ष और समर्पण से प्रेरणा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनजातीय महापुरुषों की गौरवशाली विरासत को चिरस्थायी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक दिन पूर्व ही पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का उनके गुह्यग्राम चिरई-जसवंतपुर में अनावरण किया गया था। ऐसे प्रयास समाज में अपनी विरासत के प्रति सम्मान और आत्मगौरव को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 3 बड़ी घोषणाएं की। सबसे बड़ी घोषणा शासकीय अम्बिकापुर में इंजीनियरिंग महाविद्यालय

डिगमा का नाम बदलकर अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ

टेक्नोलॉजी, अम्बिकापुर करने की है। साथ ही सीतापुर में सोनतराई से सूर तक 3.82



नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता से बस्तर में शांति का नया युग

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, गुहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और सुरक्षाबलों के साहस से नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। बस्तर के जनजातीय भाई-बहनों को चार दशकों तक नक्सलवाद की चुनौती झेलनी पड़ी, जहां सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा जैसी सुविधाएं पहुंचाना कठिन था। अब उन क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि बस्तर के प्रत्येक गांव तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचें।

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत यहां के लोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, लेकिन सबसे बड़ी ताकत यहां के सरल, मेहनती और प्रतिभाशाली लोग हैं। छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया केवल कहावत नहीं, बल्कि यहां के लोगों के स्वभाव की अभिव्यक्ति है। विकसित भारत 2047 के संकल्प में छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कार्यक्रम में जनजातीय विकास मंत्री रामविचार नेताम, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद चिंतामणि महाराज ने भी बाबा कार्तिक उरांव के योगदान को याद किया। सांसद महाराज ने इंजीनियरिंग कॉलेज के नामकरण और फोरलेन की सीगात के लिए सीएम का आभार जताया। कलाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, महापौर मंजूषा भगत, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर अजीत वसंत, एसएसपी राजेश अग्रवाल, उरांव समाज अध्यक्ष आजाद भगत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और समाज के लोग मौजूद रहे।

किलोमीटर लंबी फोरलेन अलावा पुलिस हाउसिंग 12 प्रधान आरक्षक-आरक्षक सड़क का भूमिपूजन किया, कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित महिला आवास और थाना सीतापुर में जिस पर 28 करोड़ रुपये से एनजीओ मेस, उदयपुर में 12 अधिक खर्च होंगे। इसके अलावा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित महिला आवास और थाना सीतापुर में 12 आवासीय भवनों का लोकार्पण किया।

सरगुजा में चक्रवात अर्नब का कहर, दो दिन में 27 मिमी बारिश

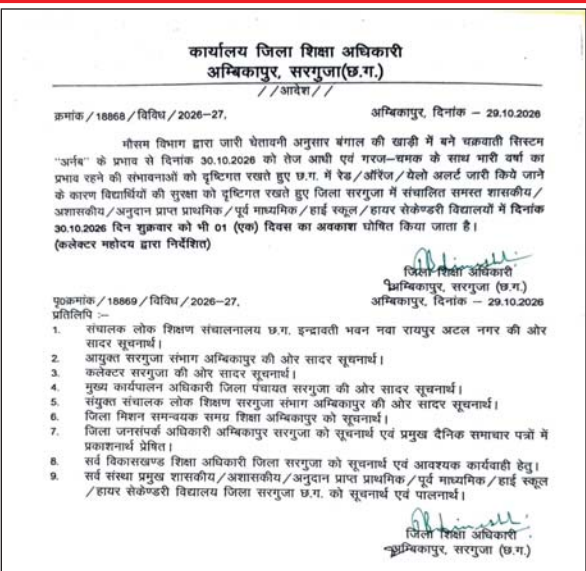
धान की फसल बर्बाद, आज भी सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती सिस्टम अर्नब का असर उत्तर छत्तीसगढ़ में तेज हो गया है। सरगुजा संभाग में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर रिमझिम बारिश के साथ तेज हवा चल रही है। अम्बिकापुर में अब तक 27 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश और तेज हवा से मौसम में ठंडक काफी बढ़ गई है, जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

अलर्ट के बाद आज भी स्कूल बंद

मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम अर्नब के प्रभाव से 30 अक्टूबर को तेज आंधी, गरज-चमक के साथ भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके चलते छत्तीसगढ़ में रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इसे देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी अम्बिकापुर ने आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में 30 अक्टूबर दिन शुक्रवार को भी एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। इससे पहले भी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी दी गई थी। यानी सरगुजा में लगातार



दूसरे दिन भी स्कूल बंद रहेंगे।

पककर तैयार धान की फसल को भारी नुकसान

बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। इस समय धान की फसल पककर कटाई के कगार पर थी। कई किसानों ने कटाई शुरू कर दी थी और फसल को खेत में ही रखा था। तेज हवा और बारिश से खड़ी फसल खेत में गिर गई है, वहीं कटी हुई फसल पानी में भीग गई है। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में सबसे ज्यादा नुकसान बताया जा रहा है। वहां कई किसानों की पकी फसल खेत में खड़ी थी जो हवा से गिर गई। काटकर रखी फसल बारिश में भीगने से दाने के सड़ने और अंकुरित होने का खतरा बढ़ गया है। इससे धान की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ेगा। किसानों ने सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील से फसल क्षति का आकलन कराकर

उचित मुआवजा देने की मांग की है।

कृषि विभाग ने दी सलाह

कृषि मौसम विशेषज्ञ डॉ. रंजीत ने किसानों को अगले 48 घंटे तक धान की कटाई, कीटनाशकों का छिड़काव सहित अन्य कृषि कार्य स्थगित रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि कटी हुई फसल और अनाज को सुरक्षित, सूखे और ढके हुए स्थान पर रखा जाए। तेज हवा से सब्जियों, दलहनी फसलों में जलभराव और फलदार पौधों की शाखाएं टूटने से भी नुकसान हो सकता है। पूरा सरगुजा ऑरेंज जोन में मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के लिए पूरे सरगुजा संभाग को ऑरेंज जोन में रखा है। बुधवार को कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर ऑरेंज जोन में थे, गुरुवार को इसका दायरा बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम

में अनावश्यक बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

पुरानी रंजिश को लेकर जान से मारने की धमकी

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। दरीमा थाना क्षेत्र के ग्राम परसापाली खालपारा में किसान से गालीगलौज करते हुए जान से मारने और घर तोड़वा देने की धमकी देने का मामला सामने आया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, रामबरन सिंह का जमीन और मकान ग्राम परसापाली में है। वह शासकीय भूमि पर कब्जा किया है, जिस पर पंचायत ने सार्वजनिक रोड बनवाया है। इसी बात से रामबरन रंजिश रखता है, और पूर्व में भी कई बार धमकी दे चुका है। 25 अगस्त की रात करीब 8 बजे ग्राम लिबरा निवासी श्याम सुंदर सिंह अपने घर के बाहर नयन यादव के साथ मोबाइल पर गाना सुन रहा था, तभी रामबरन आया और खिलाफ में रहने की बात कहते हुए गालीगलौज करते हुए घर तोड़वा देने और जान से मारने की धमकी देने लगा। शोरगुल सुनकरा बीच-बचाव करने आए भाई श्याम सुंदर के भाई कामेश्वर सिंह के साथ भी गालीगलौज किया। घटना के समय मौके पर वार्ड पंच भी उपस्थित थे।

स्मृति इरानी के दौरे ने चढ़ाया सियासी पारा, बीजेपी ने शुरू की मिशन 2028 की तैयारी

छ.ग. फ्रंटलाइन रायपुर।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने मिशन 2028 की बिसात बिछानी शुरू कर दी है। प्रदेश प्रभारी बनने के बाद स्मृति इरानी के पहले दो दिवसीय रायपुर दौरे ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। दो दिन में कोर रफ से लेकर मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और पूर्व पदाधिकारियों तक लगभग 12 अलग-अलग श्रेणियों की मेराथन बंद कमरों में बैठकें हुईं। सार्वजनिक तौर पर बीजेपी इसे परिचय सत्र और संगठनात्मक समन्वय बता रही है, लेकिन अंदरखाने मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा और काम में सुधार के सख्त निर्देशों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के मुताबिक, स्मृति जी ने सभी वर्गों से परिचय लिया और उनके क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

मंत्रियों को मिला सुधार का संदेश

रायपुर में बीजेपी प्रभारी स्मृति इरानी की मंत्रियों के साथ हुई बैठक की सबसे ज्यादा चर्चा है। कृषि मंत्री रामविचार नेताम से जब बैठक के बारे में पूछा गया तो बोले - घर की बात है, घर में रहने दो। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने माना कामकाज में कमियां दूर करने और सुधार के निर्देश मिले हैं। मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा की स्मृति जी के अनुभव से संगठन में कसावट



मिशन 2028 स्मृति इरानी का दौरा

आएगी। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा बीजेपी में 5 साल संगठन का काम चलता है, अलग से तैयारी की जरूरत नहीं। मंत्री गुरु खुरवंत साहेब ने कहा पार्टी गतिविधियों की समीक्षा और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई।

कांग्रेस ने लगाया कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप

कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश प्रभारी सुशील आनंद शुक्ला ने हमला बोलते हुए कहा, स्मृति इरानी ने सिर्फ बड़े नेताओं से

बैठक की, जिला अध्यक्षों और जमीनी कार्यकर्ताओं को कार्यालय तक आने से रोका गया। इस तरह की कार्यशैली से कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा। वो दो-चार बार और आई तो कार्यकर्ता घर बैठ जाऐंगे।

क्या कह रहे हैं विश्लेषक

वरिष्ठ पत्रकार उचित शर्मा के मुताबिक, स्मृति इरानी आक्रामक और अनुभवी नेता हैं। अमेठी में राहुल गांधी को हराने के बाद उनकी पहचान मजबूत हुई है।

उन्होंने बैठकों में भाषणबाजी और टैगलाइन से परहेज कर परिपक्वता दिखाई। बीजेपी की बैठकों के एजेंडे कभी सार्वजनिक नहीं होते। कुछ समय से कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की शिकायतें थीं, ऐसे में उनका अलग-अलग स्तरों पर संवाद संगठन को सक्रिय करने की कोशिश है।

2018 में बीजेपी को कार्यकर्ताओं की निराशा और एंटी इनकंबेंसी का सामना करना पड़ा था। विश्लेषकों का मानना है कि 2028 से पहले संगठन उसी गलती को दोहराना नहीं चाहता। अब सवाल यही है कि क्या इस फीडबैक के बाद मंत्रियों के काम में सुधार दिखेगा? क्या कार्यकर्ताओं की सुनवाई होगी? घर की बात घर में कितनी देर रहेगी, यह आने वाले महीनों में सरकार के कामकाज और संगठन की सक्रियता से पता चलेगा।

(बालाजी क्लीनिक)

मद्रासी दवाखाना

Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं सूखी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

डॉ. के.एम. राव

एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

निरीक्षक ढाल सिंह साहू बनाए गए जयनगर थाना प्रभारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले के आठ निरीक्षकों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अतिरिक्त दो उपनिरीक्षक, आठ सहायक उपनिरीक्षक सहित अलग अलग थानों में पदस्थ पचपन आरक्षकों का तबादला कर उन्हें नए थाना चौकियों में पदस्थापित किया है गुरुवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश में निरीक्षक रंजीत प्रताप सिंह रक्षित केंद्र से शिकायत शाखा प्रभारी पुलिस कार्यालय, निरीक्षक रमेश पटेल रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी रामानुजनगर, निरीक्षक नंद किशोर गौतम रक्षित केंद्र से रीडर टू एसपी कार्यालय, निरीक्षक सत्यनायण देवांगन रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी रमकोला, निरीक्षक मिलन सिंह रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी चांदनी, निरीक्षक ढाल सिंह साहू रक्षित केंद्र से थाना प्रभारी जयनगर, निरीक्षक रूपेश कुंठल एक्का रक्षित केंद्र से प्रभारी साईबर सेल, निरीक्षक जावेद मियादाद को डीसीबी/डीसीआरबी/कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है।उपनिरीक्षक अमित कुमार गुप्ता थाना प्रभारी जयनगर से चौकी प्रभारी बसदेई, उपनिरीक्षक हीरालाल साहू को थाना प्रभारी रमकोला से थाना सूरजपुर, अरुण गुप्ता को साईबर सेल से चौकी प्रभारी करंजी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार एसएसआई अमरेश सिंह रक्षित केंद्र से साईबर सेल, वरुण तिवारी को जयनगर, पास्कल लकड़ा को रक्षित केंद्र से थाना रामानुजनगर, बबिता यादव रक्षित केंद्र से थाना बिश्रामपुर, राकेश यादव को थाना प्रतापपुर, हरिशंकर तिवारी को बिश्रामपुर से थाना चंदौरा, सुनील भारती को चंदौरा से भटगांव पदस्थ किया गया है। आदेश में आधा दर्जन प्रधान आरक्षक के अलावा आरक्षकों को भी नई पोस्टिंग दी गई है।

चक्रवाती तूफान की बारिश ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी

खेतों में खड़ी फसल से लेकर खलिहानों में रखे धान तक पर मंडराया नुकसान का खतरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से मौसम में आए अचानक बदलाव ने कोयलांचल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बुधवार दोपहर से शुरू हुई बारिश का सिलसिला गुरुवार को भी लगातार जारी रहने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में लहलहा रही धान की फसल से लेकर कटाई के बाद खलिहानों में रखे धान तक पर बारिश की मार पड़ रही है। वहीं सब्जी उत्पादन के लिए पहचाने जाने वाले सिलफिली और आसपास के गांवों में भी मौसम के बदले मिजाज से सब्जी की फसलों को नुकसान पहुंचने की खबर है। अचानक बदले मौसम ने किसानों की मेहनतों की मेहनत और लागत पर संकट खड़ा कर दिया है। यूं तो खेती-किसानी पूरी तरह मौसम पर निर्भर रहती है। किसान पूरे सीजन खेतों में पसीना बहाकर फसल तैयार करते हैं और जब उपज घर लाने का समय नजदीक आता है, तब मौसम की प्रतिकूलता उनकी मेहनत पर भारी पड़ने लगती है। कोयलांचल क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश ने एक बार फिर किसानों के सामने इसी तरह की चुनौती खड़ी कर दी है। बुधवार दोपहर से आसमान में छाए बादलों और शुरू हुई

बारिश ने ग्रामीण इलाकों का सामान्य जनजीवन प्रभावित किया। गुरुवार को भी बारिश जारी रहने से किसानों की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ती नजर आई। धान की फसल को लेकर किसानों की



चिंता स्वाभाविक है। खेतों में खड़ी फसल को सुरक्षित रखने के साथ कटाई के बाद उपज को सूखाकर भंडारित करना भी जरूरी होता है। ऐसे समय में लगातार बारिश होने से खेतों में मौजूद फसल और खुले में रखी उपज दोनों के प्रभावित होने की आशंका बढ़ जाती है। किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे मौसम को इस अनिश्चितता के बीच अपनी मेहनत से तैयार उपज को आखिर किस तरह सुरक्षित रखें। धान की खेती करने वाले किसानों के लिए केवल खेतों में खड़ी फसल ही चिंता का कारण नहीं है, बल्कि खलिहानों में रखे धान की सुरक्षा भी बड़ी

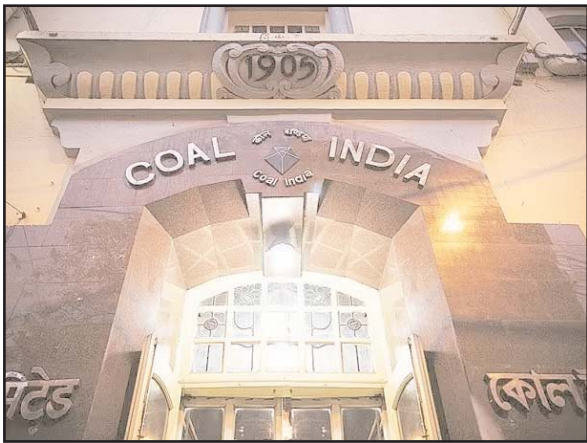
समस्या बन गई है। कटाई के बाद खुले स्थानों पर रखी गई फसल बारिश के पानी से भीगने पर उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। धान को पर्याप्त रूप से सुखाने और सुरक्षित रखने में परेशानी आने से किसानों को

सकती है। खेतों में पानी जमा होने की स्थिति बनने पर फसल प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही बारिश के कारण कटाई और उपज को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में देरी हो सकती है। मौसम की

जबकि फूल और फल आने की अवस्था में प्रतिकूल मौसम उत्पादन को प्रभावित कर सकता है। लगातार बारिश के कारण खेतों में काम करना, फसलों की देखभाल करना और तैयार सब्जियों को बाजार तक पहुंचाना भी मुश्किल हो सकता है। सब्जी उत्पादकों के सामने एक और चुनौती यह है कि सब्जियां जल्दी खराब होने वाली उपज हैं। यदि

बारिश के कारण उत्पादन या बाजार तक पहुंच प्रभावित होती है, तो इसका सीधा असर किसानों की रोजाना होने वाली आमदनी पर पड़ सकता है। फसल तैयार होने के बाद मौसम बिगड़ जाए, तो किसानों के सामने नुकसान की भरपाई की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाती है। लगातार बारिश के बीच किसानों की नजर अब मौसम साफ होने और फसलों की वास्तविक स्थिति सामने आने पर टिकी है। खेतों में खड़ी फसल, खलिहानों में रखे धान और सब्जी की खेती को हुए नुकसान का आकलन होने के बाद ही प्रभावित किसानों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कोल इंडिया कर्मचारियों की एचआरए की दरों में हुई बढ़ोतरी



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन बिश्रामपुर। कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए मकान किराया भत्ते को लेकर बड़ी राहत की खबर है। कोल इंडिया प्रबंधन ने एचआरए की दरों में बढ़ोतरी का आदेश जारी कर दिया है। संशोधित दरों के अनुसार अब एक्स श्रेणी के शहरों में मूल वेतन का 27 प्रतिशत, वाई श्रेणी में 18 प्रतिशत और जेड श्रेणी के शहरों में 9 प्रतिशत मकान किराया भत्ता मिलेगा। नई दरें 1 सितंबर 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी।

इस संबंध में कोल इंडिया के मानव संसाधन विभाग ने 22 अक्टूबर को कार्यालय आदेश जारी किया है। इस निर्णय से कंपनी में कार्यरत उन कर्मचारियों को लाभ मिलेगा, जिन्हें नियमानुसार मकान किराया भत्ते की पात्रता है। ज्ञात हो कि एचआरए कर्मचारियों के वेतन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, जिसका उद्देश्य आवास संबंधी खर्चों में आर्थिक सहायता देना है। शहरों की श्रेणी के आधार पर भत्ते की दरें निर्धारित की गई हैं। नई व्यवस्था के तहत एक्स श्रेणी के शहरों में सबसे अधिक 27 प्रतिशत, वाई श्रेणी में 18 प्रतिशत और जेड श्रेणी

के शहरों में 9 प्रतिशत की दर से भत्ता देय होगा। इस बढ़ोतरी से पात्र कर्मचारियों की मासिक वेतन गणना में बदलाव होगा। हालांकि वास्तविक लाभ कर्मचारी के मूल वेतन, पदस्थापना स्थल की श्रेणी और लागू सेवा नियमों के आधार पर निर्धारित होगा। ज्ञात हो कि कोल इंडिया की विभिन्न अनुपंगी कंपनियों और कोयला क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए इस आदेश का महत्व है। नई दरें प्रभावी तिथि से लागू होने के कारण कर्मचारी अपने वेतन विवरण में संशोधित एचआरए और नियमानुसार देय अंतर की जानकारी का इंतजार करेंगे। आदेश के क्रियान्वयन के दौरान संबंधित कार्यालयों द्वारा पात्रता और भुगतान संबंधी नियमों के अनुरूप वेतन निर्धारण किया जाएगा। एचआरए दरों में इस संशोधन से कर्मचारियों को आवासीय खर्चों के मद में अतिरिक्त आर्थिक सहायता मिलने की उम्मीद है। अब कर्मचारियों की निगाहें इस बात पर रहेंगी कि संशोधित दरों के अनुसार भुगतान और बकाया अंतर का समायोजन किस प्रकार किया जाता है।

मखाना की खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही धमतरी की महिलाएं

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। धमतरी जिले में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने की दिशा में मखाना की खेती नई संभावनाएं पैदा कर रही है। तालाबों में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल अब परिणाम देने लगी है। इसी कड़ी में ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ क्षेत्र में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू हो गया है। साथ ही, महिलाओं को मखाना के संग्रहण और संग्रहण-पश्चात प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों का प्रशिक्षण देने की तैयारी की जा रही है। इससे

साहू, श्री जितेन्द्र कुमार साहू, पंचगण, कृषि विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ श्रीमती दीपिका चंद्रवंशी, उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप



साहू, उद्यान विकास अधिकारी श्री राहुल साहू और ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी श्री नर्मदा प्रसाद भारती उपस्थित रहे। उप संचालक उद्यानिकी श्रीमती पूजा कश्यप साहू ने बताया कि महिला समूहों को कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी में आगामी दिनों में मखाना के संग्रहण-पश्चात प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में उपज की उचित देखभाल, प्रसंस्करण और गुणवत्ता बनाए रखने की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, ताकि महिलाएं इस गतिविधि को आजीविका और उद्यमिता के रूप में आगे बढ़ा सकें। मखाना की कटाई मुख्य रूप से तीन चरणों में की जाती है। पहली कटाई को लहसर कहा जाता है। इसमें लगभग 70 प्रतिशत मखाना निकाल लिया जाता है। इस काम के लिए श्रमिकों को सामान्यतः प्रति किलोग्राम के आधार पर मजदूरी दी जाती है। इसके बाद

दूसरी और तीसरी कटाई मरकट और कर्कट कहलाती हैं। इन चरणों में बचे हुए लगभग 30 प्रतिशत बीज निकाले जाते हैं, जिसके लिए अधिक मेहनत

आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम बन सकती है। इसके लिए उत्पादन के साथ वैज्ञानिक तकनीक, प्रसंस्करण, गुणवत्ता और बाजार से जुड़ाव

पर भी ध्यान देना जरूरी है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी बढ़े और वे आत्मनिर्भर आजीविका की दिशा में आगे बढ़ें। मखाना उत्पादन की यह पहल धमतरी जिले में पारंपरिक कृषि गतिविधियों के साथ नए विकल्प जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उचित प्रशिक्षण, गुणवत्ता आधारित प्रसंस्करण और बाजार से बेहतर जुड़ाव मिलने पर यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और सामूहिक उद्यमिता के नए अवसर पैदा करने में सहायक होगी।

रायपुर, (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य की भाजपा सरकार को घेरा है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने एसीबी और ईओडब्ल्यू के आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि सरकार के कार्यकाल में रिश्वतखोरी बढ़ी है। उन्होंने राजस्व, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभागों में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। 28 अक्टूबर को जारी बयान में सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि सरकार एक ओर सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात करती है, वहीं दूसरी ओर सरकारी विभागों में रिश्वतखोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि आम लोगों को अपने काम कराने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग में नामांतरण



कार्यों को लेकर भी उन्होंने अनियमितताओं के आरोप लगाए। वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और कई जगहों पर कमीशनखोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने

आरोप लगाया कि सरकारी दफ्तरों में बिना कथित सुविधा शुल्क के काम कराना मुश्किल हो गया है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने अपने बयान में विभागवार विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए। सुरेंद्र वर्मा ने एसीबी और ईओडब्ल्यू के रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए सरकार से भ्रष्टाचार के मामलों पर जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि सरकारी विभागों में कथित रिश्वतखोरी पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई सीमित स्तर तक रह जाती है, जबकि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ पर्याप्त कार्रवाई नहीं होती। कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने और आम नागरिकों की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित

करने की मांग की। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान ऑनलाइन पोर्टल और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयास किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में बिचौलियों की भूमिका फिर बढ़ रही है। वर्मा ने कहा कि राजस्व, शिक्षा और पंचायत जैसे आम जनता से सीधे जुड़े विभागों में शिकायतों का प्रभावी निराकरण जरूरी है। उन्होंने राज्य सरकार से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, जवाबदेही तय करने और सरकारी सेवाओं को पारदर्शी बनाने की मांग की। नोट कांग्रेस के बयान में लगाए गए आरोप पार्टी के दावे हैं। एसीबी और ईओडब्ल्यू के आंकड़ों का विस्तृत विवरण तथा राज्य सरकार का इस संबंध में पक्ष उपलब्ध नहीं कराया गया है।

बिलासपुर में तालिबानी सजा, तोड़फोड़ के आरोपी को व्यापारी और गार्ड ने पीटा, पुलिस जांच में जुटी

बिलासपुर, (एजेंसी)। न्यायधानी बिलासपुर के तारबाहर थाना क्षेत्र अंतर्गत रजौव प्लाजा स्थित एक प्रसिद्ध डोसा दुकान में तोड़फोड़ और चोरी की कोशिश करने के आरोपी युवक की तालिबानी अंदाज में लाठी-डंडों व लात-घुंसी से बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। इस पूरी घटना का एक सनसनीखेज वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग एक असहाय युवक को पीटते नजर आ रहे हैं और आसपास खड़े लोग मुकदर्शक बने हुए हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस

प्रशासन हरकत में आ गया है और मारपीट में शामिल लोगों के खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार की बताई जा रही है। दुकान में तोड़फोड़ व चोरी का प्रयास रजौव प्लाजा स्थित डोसा दुकान में विक्री मानिकपुरी नामक युवक ने कथित तौर पर घुसकर तोड़फोड़ की और चोरी करने की कोशिश की। दुकान में तोड़फोड़ की भनक लगते ही वहां मौजूद व्यापारी और सुरक्षा गार्डों ने विक्री मानिकपुरी को रो हाथों पकड़ लिया। इसके बाद शाहन चंदा ने तारबाहर थाने में युवक के खिलाफ लिखित



शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने युवक को वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति युवक को लाठी-डंडों, लात और घुंसी से लगातार पीटा हुआ दिखाई दे रहा है,

को इस पूरी मारपीट का एक लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति युवक को लाठी-डंडों, लात और घुंसी से लगातार पीटा हुआ दिखाई दे रहा है,

जबकि अन्य सुरक्षार्कमी और लोग आसपास खड़े होकर तमाशा देख रहे हैं। सीएसपी गगन कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने निष्पक्ष जांच शुरू कर दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। 27 अक्टूबर को सामने आए वीडियो के आधार पर मारपीट की परिस्थितियों और उसमें शामिल व्यापारी, गार्ड तथा अन्य लोगों की भूमिका की गहन जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर मारपीट करने वालों पर भी वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसना ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में अपना एक्सक्लूसिव शोरूम खोला

राज्य में यह कंपनी का 7वां एक्सक्लूसिव शोरूम है

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में, बनारस रोड पर अंबिका पेट्रोल पंप के पास अपने 7वें एक्सक्लूसिव शोरूम के भव्य उद्घाटन की घोषणा की। इस उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व कैबिनेट मंत्री अजय अग्रवाल और हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया शामिल हुए। यह किसना के रिटेल विस्तार में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया ने

कहा कि, ₹ अंबिकापुर में हमारी मौजूदगी, पूरे छत्तीसगढ़ में अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने के किसना के संकल्प को और मजबूत करती है। राज्य में अपने 7वें एक्सक्लूसिव शोरूम के साथ, हम अपनी बेहतरीन डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी के जरिए यहां के लोगों के त्योहारों और खास मौकों का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं। यह विस्तार हमें हमारे 'हर घर किसना' के विजन के और करीब लाता है, जिसका उद्देश्य हर भारतीय परिवार तक डायमंड ज्वेलरी पहुंचाना है। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा,

दिवाली उपहार देने और ज्वेलरी खरीदने का एक अहम मौका है, ऐसे में हमें खुशी है कि हम अंबिकापुर के ग्राहकों के लिए किसना को लेकर आए हैं। हमारे विविध कलेक्शन और शानदार फेस्टिव ऑफर्स के जरिए, हम डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी चुनने के अनुभव को और भी खास बनाना चाहते हैं - चाहे ग्राहक अपनी परंपराओं का जश्न मना रहे हों या जीवन की किसी नई शुरूआत का। किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर, राहुल गर्ग और कृष्णा अग्रवाल ने कहा, हमें अंबिकापुर में किसना को लाकर बहुत खुशी



हो रही है। हरि कृष्ण ग्रुप की विरासत और विशेषज्ञता वाले ब्रांड से जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। हम अपने शोरूम में ग्राहकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं, जहां उन्हें डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी



शानदार ऑफर लेकर आया है। इसमें डायमंड और सोने के आभूषणों की मेकिंग चार्ज (बनाने की लागत) पर 100% तक की छूट और केवल 25% डाउन पेमेंट पर 'डबल गोल्ड रेट प्रोटेक्शन' शामिल

90% बायबैक और 95% एक्सचेंज की सुविधा दे रहा है। साथ ही, ग्राहकों को 'ग्रेड लकी ड्रॉ' में हिस्सा लेने का मौका भी मिल रहा है, जिसमें वे कार या स्कूटर जीत सकते हैं। (नियम और शर्तें लागू)। समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए, किसना ने लॉन्च के दौरान जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम 'आयोजित किया। इस पहल में 'स्वच्छ भारत अभियान' के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और रक्तदान शिविर भी शामिल थे। ये गतिविधियाँ सामुदायिक कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति किसना की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ग्राम खोखनिया में लगातार बारिश से धान की फसल पर संकट, किसान चिंतित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले के ग्राम खोखनिया में लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। 28 अक्टूबर से जारी बारिश के कारण धान की फसल को नुकसान की स्थिति बन गई है। खेतों में जलभराव से कटी और खड़ी दोनों तरह की फसल प्रभावित हो रही है।

कटाई के समय बारिश बनी आफत
इन दिनों धान की फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार है। कई किसानों ने कटाई शुरू कर दी थी, तो कई जगह फसल खेत में ही खड़ी है। लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है। इससे पकी

फसल के गिरने, दाने में अंकुरण आने और सड़ने की आशंका बढ़ गई है। हार्वेस्टर से कटाई भी नहीं हो पा रही है।

किसान शिवनारायण जायसवाल ने जताई चिंता
ग्राम खोखनिया के किसान शिवनारायण जायसवाल ने बताया कि इस बार फसल अच्छी थी, लेकिन ऐन कटाई के वक्त बारिश ने पूरी मेहनत पर पानी फेरने जैसी स्थिति बना दी है। उन्होंने कहा कि अगर 1-2 दिन और बारिश हुई तो धान की गुणवत्ता खराब हो जाएगी और समर्थन मूल्य पर बेचने में दिक्कत आएगी। खेत में गिरे धान को निकालने में मजदूरी खर्च भी बढ़ेगा।



चक्रवात अर्नब का असर
मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात अर्नब के प्रभाव से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित बलरामपुर जिले में बारिश की स्थिति बनी है। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि जहां तक संभव

हो कटी फसल को सुरक्षित स्थान पर ढक कर रखें और खेतों से पानी निकासी की व्यवस्था करें। किसानों ने प्रशासन से सर्वे कराकर नुकसान का आकलन करने और उचित मुआवजे की मांग की है।

स्पेशल कैपेन 6 में एसईसीएल ने लक्ष्य किया पार, स्क्रेप से 26.17 करोड़ की कमाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने केंद्र सरकार के स्पेशल कैपेन 6 में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया लक्ष्यों को समय से पहले पार कर लिया है। स्वच्छता से लेकर स्क्रेप निपटान और रिकॉर्ड प्रबंधन तक हर मोर्चे पर कंपनी ने बढ़त हासिल की है।

226 स्थलों पर 47 लाख वर्गफुट में चला स्वच्छता अभियान

अभियान के तहत एसईसीएल ने 225 स्थलों पर सफाई का लक्ष्य रखा था, जिसके मुकाबले 226 स्थलों पर स्वच्छता गतिविधियां

संचालित की गईं। 40 लाख वर्गफुट सफाई के लक्ष्य के विरुद्ध 47 लाख वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में सफाई की गई। इससे कार्यस्थल स्वच्छ और व्यवस्थित हुए हैं।
स्क्रेप निपटान से 26.17 करोड़ का राजस्व
एसईसीएल ने 3,300 मीट्रिक टन स्क्रेप निपटान के लक्ष्य के मुकाबले 4,602 मीट्रिक टन स्क्रेप का निपटान किया। इससे कंपनी को करीब 26.17 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। यह संसाधनों के बेहतर उपयोग और कार्यस्थलों के प्रभावी प्रबंधन का उदाहरण है।

फाइल प्रबंधन में रिकॉर्ड तोड़ काम
भौतिक और इलेक्ट्रॉनिक



फाइलों के प्रबंधन में भी एसईसीएल ने लक्ष्य से कई गुना ज्यादा काम किया है। भौतिक फाइल समीक्षा: लक्ष्य 500, समीक्षा 2,100 फाइलों की भौतिक फाइल छंटनी: लक्ष्य 200, हटाई गई 872 फाइलें ई-फाइल समीक्षा: लक्ष्य

7,000, समीक्षा 14,215 ई-फाइलों की ई-फाइल बंद करना: लक्ष्य 3,000, निस्तारण 13,708 ई-फाइलों का इससे प्रशासनिक कामकाज तेज हुआ है और लंबित मामलों का निपटारा हुआ है।

वेस्ट टू वेल्थ पहल: कबाड़ से बनाई वेस्ट बिन

स्पेशल कैपेन 6 में ई-वेस्ट प्रबंधन पर विशेष जोर है। एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर में कर्मचारियों के पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा करने के लिए विशेष बिन लगाया गया है। खास बात यह है कि यह बिन भी अनुपयोगी सामग्री से बनाया गया है, जो 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा को साकार करता है। विभिन्न क्षेत्रों में भी ई-वेस्ट संग्रहण अभियान चल रहा है। गौरतलब है कि स्पेशल कैपेन 6 का क्रियान्वयन चरण 2 से 31 अक्टूबर तक चल रहा है।

सरस्वती शिशु मंदिर में सुरक्षित बचपन जागरूकता कार्यक्रम, 250 विद्यार्थियों को दी बाल अधिकारों की जानकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत सरस्वती शिशु मंदिर, अंबिकापुर में ह्यसुरक्षित बचपन रूक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन और जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, सुरक्षा कानूनों और हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 250 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए।



पॉक्सो, साइबर सुरक्षा और बाल विवाह रोकथाम पर जानकारी

विधिक सेवा प्राधिकरण की नीलम बनसोडे ने बच्चों को कानूनी सहायता, नालसा की बाल हितैषी योजनाओं और हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में बताया। विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी सुमंती

खाखा ने पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह रोकथाम, साइबर सुरक्षा और स्पॉन्सरशिप योजना पर जानकारी दी। उन्होंने असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान, साइबर अपराधों से बचाव और शोषण की स्थिति में सहायता लेने के तरीके बताए। मिशन शक्ति की जिला समन्वयक नूतन सिंह ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के उद्देश्यों,

बबिता यादव को विश्रामपुर, राकेश यादव को प्रतापपुर, हरिशंकर तिवारी को चंदौर और सुनील भारती को भटगांव भेजा गया है। बड़ी संख्या में रक्षित केंद्र से थानों में भेजा गया है। रामानुजपुर, सूरजपुर, प्रतापपुर, लटोरी, जयनगर, बसदेई, लटोरी, सलका-उमेश्वरपुर चौकियों में तैनाती बदली गई है। सुनील लकड़ा, हंसराम कर्नेडिया को रामानुजपुर, नवीन सिंह को यातायात, ममता केरेकेट्टा, रोशनी सिंह को सूरजपुर थाना, अंजना एक्का को बसदेई, प्रीति भगत को प्रतापपुर भेजा गया है।



शाखा प्रभारी, नंदकिशोर गौतम को रीडर टू एसपी, रूपेश कुंतल एक्का को साइबर सेल प्रभारी और जावेद मियांदाद को डीसीबी, डीसीआरबी और कंट्रोल रूम प्रभारी बनाया गया है। जयनगर टीआई अमित गुप्ता को बसदेई चौकी प्रभारी, रमकोला टीआई हीरालाल साहू को सूरजपुर थाना और साइबर सेल के एसआई अरुण गुप्ता को करंजी चौकी प्रभारी बनाया गया है। 7 एसआई की भी पदस्थापना बदली गई है। अमरेश सिंह को साइबर सेल, वरुण तिवारी को जयनगर, पास्कल लकड़ा को रामानुजपुर,

लुण्ड्रा विधायक ने 3.68 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

लमगांव में बनेगा उप स्वास्थ्य केंद्र, डडगांव-दोरना सड़क से ग्रामीणों को मिलेगी राहत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अधोसंरचना विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर तेजी से काम हो रहा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड में आज दो अहम विकास कार्यों का भूमिपूजन हुआ। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध भिंज ने ग्राम पंचायत लमगांव और डडगांव में कुल 3 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन कार्यों के पूरा



होने से ग्रामीणों को स्वास्थ्य और सड़क सुविधा दोनों में बड़ी राहत मिलेगी।

लमगांव में 32 लाख से बनेगा नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र

विधायक ने लमगांव में 32 लाख रुपए की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमिपूजन किया। केंद्र बनने से

स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार, टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को अब छोटे इलाज के लिए लुण्ड्रा या अम्बिकापुर नहीं जाना पड़ेगा।

डडगांव से दोरना तक 3.36 करोड़ से 2 किमी सड़क

डडगांव से दोरना तक 2 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 3.36 करोड़ रुपए स्वीकृत हैं। यह

सड़क डडगांव, दोरना सहित आसपास के कई गांवों को जोड़ेगी। बरसात में कीचड़ और आवागमन की दिक्कत खत्म होगी, किसानों को मंडी तक उपज ले जाने और बच्चों को स्कूल जाने में सुविधा होगी। विधायक प्रबोध भिंज ने कहा कि लुण्ड्रा क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार का लक्ष्य गांव-गांव तक पक्की सड़क और स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, विधायक प्रतिनिधि जयंत भिंज, लमगांव, दोरना, डडगांव के सरपंच, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सिर्फ हंगामे की बजाय ठोस प्रमाण दे विपक्ष

लोकतंत्र में विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन हर विरोध को विश्वसनीय बनाने के लिए तथ्यों और प्रमाणों की कसौटी पर खरा उतरना भी जरूरी है। चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना जितना आसान है, उतना ही महत्वपूर्ण उन सवालों के पीछे ठोस आधार प्रस्तुत करना है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष जिस तरह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहा है, उसमें राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर प्रमाणों के साथ अपना पक्ष रखने की जरूरत है। चुनावी सुधारों को संदेह के घेरे में खड़ा करना और पूरी व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल उठाना गंभीर विषय है। यदि कहीं अनियमितता हुई है तो उसे तथ्यों के साथ उजागर किया जाना चाहिए, लेकिन आशंकाओं को ही आरोप और आरोपों को ही सब मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श की कमजोर करता है। सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई में विपक्ष को अपने दावों की पुष्टि करने का अवसर दिया है। अब उसे सिर्फ हंगामे या शोर से नहीं, बल्कि ठोस प्रमाणों से अपनी बात साबित करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ताओं को चुनाव आयोग के हलफनामे का जवाब देने के लिए 10 दिन का समय दिया। अगली सुनवाई 17 नवंबर को निर्धारित की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से बरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि आयोग ने एक दिन पहले ही अपना जवाब दाखिल किया है, इसलिए उसका अध्ययन करने के लिए समय चाहिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश सर्वकांत ने कहा, 'हमें सब पता है। हम जांच करेंगे।' इस टिप्पणी से स्पष्ट है कि अदालत मामले को गंभीरता से सुन रही है। चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में एसआईआर से जुड़े फैसलों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिया गया बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त नानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संघू और विवेक जोशी के हस्ताक्षर वाले हलफनामे में आयोग ने यह भी कहा कि फाइलों पर दर्ज सवाल, सुझाव या आपत्तियाँ अपने आप में अंतिम निर्णय के विरोध का प्रमाण नहीं हैं। आयोग के मुताबिक, एसआईआर के फॉर्म-6 में उसने कोई बदलाव नहीं किया है और नियमों के अनुसार उसमें संशोधन का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। आयोग ने मतदाताओं की सुविधा और प्रक्रिया की निष्पक्षता से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण भी दिए हैं। जिन मतदाताओं के नाम का पुरानी मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया है, उनके जरूरी दस्तावेज बीएलओ घर जाकर जुटा सकेंगे और ऑनलाइन अपलोड करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के संबंध में आयोग ने संवैधानिक प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश को हटाने जैसी प्रक्रिया और आधार लागू होते हैं। दूसरी ओर, विपक्ष को भी यह बताना होगा कि उसकी आपत्तियाँ किन तथ्यों पर आधारित हैं, कहाँ नियमों का उल्लंघन हुआ है और किन मतदाताओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं। केवल आशंका जताने या राजनीतिक आरोप लगाने से किसी दावे की पुष्टि नहीं होती। कुल मिलाकर मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की आवश्यकता है, लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का मताधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए। विपक्ष को समझना होगा कि केवल हंगामा करने से संदेह प्रमाण में नहीं बदलते। यदि अनियमितता हुई है तो उसके ठोस प्रमाण दें। सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर अनावश्यक चोट करने से बचें।

भाजपा बनाम कांग्रेस

डॉ. घनश्याम बादल



विचारधारा, मतभेद,

बदजुबानी और टकराव

लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है, लेकिन जब विचारों की जगह विद्वेष, तर्क की जगह तंज और राजनीतिक विरोध की जगह व्यक्तिगत चरित्रहत्यान ले ले, तब समझ लेना चाहिए कि राजनीति अपनी मर्यादा खो रही है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच वैचारिक संघर्ष पुराना है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह संघर्ष जिस तरह कुटुता, अमर्यादित भाषा और संस्थाओं पर अविश्वास तक पहुंचा है, वह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। सवाल यह नहीं कि कौन-सा दल सही है और कौन गलत; सवाल यह है कि सत्ता और विपक्ष की लड़ाई में देश की सामाजिक एकता कहीं दांव पर तो नहीं लग रही? कांग्रेस और भाजपा दो अलग राजनीतिक धाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। कांग्रेस की वैचारिक परंपरा स्वतंत्रता आंदोलन, धर्मनिरपेक्षता, बहुलतावाद, सामाजिक न्याय और विविधता में एकता की अवधारणा से जुड़ी रही है तो भाजपा की राजनीति सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, राष्ट्रीय अस्मिता, मजबूत नेतृत्व और एकात्म मानववाद की वैचारिक धारा से प्रेरणा लेते हैं। इन दोनों विचारधाराओं के बीच मतभेद होना अस्वभाविक नहीं। लोकतंत्र में यही मतभेद विकल्प पैदा करते हैं मगर समस्या तब शुरू होती है, जब कोई दल अपनी विचारधारा को ही राष्ट्रभक्ति का प्रमाणपत्र बताने लगे और विरोधी विचारधारा को देश-विरोध का पर्याय बना दे। राष्ट्र कोई एक दल, विचार या नेता नहीं है। कांग्रेस के समर्थक भी उतने ही भारतीय हैं, जितने भाजपा के समर्थक; और किसी दल का विरोध करना अपने आप में राष्ट्र का विरोध करना नहीं है। विडंबना यह है कि दोनों दल लोकतंत्र, संविधान और देशहित की दुहाई देते हैं, लेकिन उनके नेताओं की भाषा बार-बार इन्हीं मूल्यों पर चोट करती दिखाई देती है। सत्ता से सवाल पृथ्ना विपक्ष का धर्म है और विपक्ष की आलोचना का उत्तर देना सरकार की जिम्मेदारी। किंतु आलोचना और अपमान के बीच एक महीन रेखा है। उस रेखा को लांघते ही बहस का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संवाद की जगह शत्रुता लेने लगती है। नेता भूल जाते हैं कि उनके शब्द केवल विरोधी दल तक सीमित नहीं रहते; वे समाज के व्यवहार, युवाओं की भाषा और आम नागरिकों की सोच को भी प्रभावित करते हैं। इसी कटु राजनीतिक वातावरण में एसआईआर यानी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दे टकराव का कारण बन रहे हैं। मतदाता सूची की शुद्धता चुनावी लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। फर्जी, दोहराव वाले या अपात्र नामों को हटाना और पात्र मतदाताओं का नाम सुनिश्चित करना निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। दूसरी ओर, यदि पुनरीक्षण की प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, दस्तावेजों की कठिनाइयों या वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने की आशंका पैदा होती है, तो उस पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है। इसलिए एसआईआर को केवल सरकार या निर्वाचन व्यवस्था के समर्थन-विरोध का प्रश्न बनाना उचित नहीं। प्रक्रिया पारदर्शी हो, पात्र मतदाताओं को पर्याप्त अवसर मिले, आपत्तियों का निष्पक्ष निस्तारण हो और गलतियों के सुधार की प्रभावी व्यवस्था हो-ये सभी पक्ष लोकतंत्र के हित में हैं। विपक्ष को बिना प्रमाण हर कार्रवाई को साजिश नहीं बताना चाहिए, तो निर्वाचन व्यवस्था को भी आलोचनाओं का उत्तर तथ्यों और पारदर्शिता से देना चाहिए। मताधिकार पर अविश्वास की रीथित लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकती है। एसआईआर के अतिरिक्त चुनावी निष्पक्षता, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका, आरक्षण, जातिगत गणना, धार्मिक पहचान, नागरिकता और केंद्र-राज्य संबंधों जैसे मुद्दें पर भी राजनीतिक खींचतान तीव्र हुई है। अंततः, कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों को याद रखना चाहिए कि विचारधाराएं लोकतंत्र को दिशा देती हैं, जबकि अहंकार और बदजुबानी उसे कमजोर करते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता, सहिष्णुता और संवाद की परंपरा में है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को शत्रु मानने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना समय की मांग है। देश की एकता और अखंडता केवल नारों से सुशुभित नहीं रहती; उन्हें व्यवहार, भाषा और निर्णयों में भी उतारना पड़ता है। अस्तु, लोकतंत्र में लड़ाई विचारों की होनी चाहिए, व्यक्तिवों के अपमान की नहीं; नीतियों की होनी चाहिए, नागरिकों को बांटकर वोट झपटने की नहीं। सत्ता बदल सकती है, सरकारें आ-जा सकती हैं और विचारधाराओं के बीच संघर्ष चलता रह सकता है, लेकिन यदि इस संघर्ष में समाज का विश्वास, राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक मर्यादा टूट जाए, तो जीत भले ही किसी किसी दल की नहीं हो जाए, पर, हार पूरे देश की होगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

विचार

एआई आधारित साइबर अपराध की चुनौती

मुद्रा प्रो. (डॉ.) मनोज दयाल

शेयर बाजार की स्क्रीन पर हरा रंग...! उम्मीद जगता है...! पर उसी स्क्रीन के पीछे एक अदृश्य युद्ध भी चल रहा है। यह युद्ध टैकों का भी नहीं। मिसाइलों का भी नहीं। यह तो एल्गोरिदम का युद्ध है। कृत्रिम मेंधा ने जहां बाजार को तेज किया है, पारदर्शिता लाया है और समावेशी बनाया है। वहीं, इसी एआई ने साइबर अपराध को एक स्वचालित, बुद्धिमान और अजेय-सा हथियार भी दे दिया है। यही कारण है कि आज एआई आधारित साइबर अपराध, बैंक खाते की चोरी से कहीं आगे निकल कर, भारत के पूंजी बाजार की स्थिरता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। पूंजी बाजार के लिए अस्तित्व का खतरा मंडरा रहा है। बैंक में सेंध लगती है, तो एक ग्राहक प्रभावित होता है। बाजार में सेंध लगती है, तो 11 करोड़ डीमैट खाताधारकों का भरोसा डगमगा जाता है। एआई अपराध की यही मारक क्षमता इसे सबसे बड़ा खतरा बनाती है। कैसे करता है वार? पहला, डीपफेक मैनियूलेशन। मान लीजिए किसी दिग्गज कंपनी के सीईओ का डीपफेक वीडियो बनाकर यह फैला दिया जाए कि कंपनी के नतीजे खराब हैं। वरुद दिवालिया होने वाली है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल होते ही पैनिक सेलिंग शुरू हो जाएगी। निवेशक मिनटों में हजारों करोड़ गंवा देंगे। यह अब कल्पना नहीं...! 2024 में अमेरिकी बाजार में एक बड़ी कंपनी के साथ ऐसा प्रवास हो चुका है। दूसरा, हाइपर-पर्सनलाइज्ड फिशिंग। पहले फर्जी ईमेल की भाषा टूटी-फूटी होती थी। अब एआई आपके ट्रेडिंग व्यवहार, आपके ब्रोकर का नाम, आपके पोर्टफोलियो का विश्लेषण कर आपके ही ब्रोकर की भाषा में ईमेल बनाता है - 'आपका ट्रेडिंग अकाउंट वेरिफिकेशन के लिए रोका गया है। तुरंत इस लिंक पर केवाईसी करें।' एक क्लिक और आपका पासवर्ड, ओटीपी सब हैकर के पास। तीसरा, एल्गो-स्पाफिंग। एआई बॉट्स एक सेकंड में हजारों नकली खरीद-बिक्री के ऑर्डर लगाकर किसी शेयर की कीमत को कृत्रिम रूप से ऊपर-नीचे करते हैं। आपके स्टॉप-लॉस को ट्रिगर कराते हैं। आपको बाजार से बाहर कर अपना मुनाफा कमा लेते हैं। यह माइक्रो-सेकंड का लूटतंत्र है। इसे ही ईसानी ऑख पकड़ ही नहीं सकती। यही वजह है कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपनी ताकत रिपोर्ट में कहा है कि पूंजी बाजार अब केवल 'माकेट रिस्क' से नहीं, 'साइबर सिस्टमिक रिस्क' से भी जुड़ा रहा है। एनएसई की अति सरहनीय पहल है। एनएमआई के साथ मिलकर विशेष कार्यबल का अस्त्रान इस चुनौती को गंभीरता को समझते हुए नेशनल साइबर एक्सचेंज (एनएसई) ने रक्षात्मक से आगे बढ़कर आक्रामक सुरक्षा की रणनीति अपनाई है।

जीवन-विकास का आधार सत्पुरुषार्थ

यदि व्यक्ति समुचित दिशा में समुचित पुरुषार्थ करता रहे तो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता अर्जित की जा सकती है। जीवन में सफल होने के लिए पुरुषार्थ का महत्वपूर्ण स्थान है। पुरुषार्थ के अभाव में किसी भी उद्देश्य को पूर्ण नहीं किया जा सकता। पुरुषार्थ जीवन में हर समय अनिवार्य है। जीवन-विकास की आधारशिला पुरुषार्थ है, जो व्यक्ति अपने बुद्धि बल,

गंगाबल तथा शारीरिक बल पर विश्वास नष्ट करके पराजित अथवा नापसंद बल प्राप्त हो, उन्हे कदम-कदम पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और अन्त में असफलता ही हाथ लगती है। इसके विपरीत जो जीवन में उल्लान्नेष्टक संकल्प रखते हैं, वे कभी भी असफल नहीं होते। सफल होने के लिए यह सुनिश्चित है कि व्यक्ति को तपन और खपना पड़ता है। पुरुषार्थ आत्म-विकास की रीढ़ है। जीवन में पुरुषार्थ की जो अनिवार्यता है, इसे एक क्षण के लिए भी नकारा नहीं जा सकता। कर्मबंधन से मुक्ति का हेतु ही पुरुषार्थ है। जड़ता एवं निष्क्रियता के धरातल से ऊपर उठकर जब व्यक्ति पुरुषार्थ करता है तो वह व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों से समृद्ध बलने लगता है। कोई कुछ भी करे ही नहीं एवं मन में बड़ी-बड़ी कल्पनाएं करता रहे तो केवल कल्पनाओं से कुछ भी नहीं होता। मंजिल पर पथिक तभी तो पहुंच पाएगा, जब वह लक्ष्य की ओर गतिशील होगा। पथिक अपने घर-आँगन में बैठा हुआ नक्शा देखता रहे कि अमुक गाँव इतनी दूर है, अमुक रास्ते से होकर गुज़ी जाना पड़ेगा। केवल इस तरह का गणित करता रहे और मंजिल की ओर एक कदम भी न बढ़ाए तो घर-आँगन में बैठे रहने से तो मंजिल मिलने से रहे। मंजिल को पाने के लिए कदमों को बढ़ाना पड़ता है। यह सत्य है कि चलने वाले ने ही मंजिल से मुलाकात की है। - *कार्तिलाल मांडीत*

अंतर्मन

आप लोग चिंता बिल्कुल भी न करें, ये देखिए हमारे पास दूसरा गुब्बारा सुशुक्षित है

आप लोग चिंता बिल्कुल भी न करें, ये देखिए हमारे पास दूसरा गुब्बारा सुशुक्षित है

करंट अफेयर

डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों का समर्थन कर सकते हैं ट्रंप समर्थक

अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को वोट देने वाले कम से कम 25 प्रतिशत दक्षिण एशियाई अमेरिकी मतदाता तीन नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों का समर्थन करने की योजना बना रहे हैं। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। लोगों के अधिकारों के लिए काम करने वाले स्पेन्डन 'इडियम अमेरिकन इम्यूव' द्वारा कराए गए इस सर्वेक्षण में जीवनयापन की लागत (65 प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवा (53 प्रतिशत), रोजगार और वेतन (33 प्रतिशत) तथा शिक्षा (28 प्रतिशत) को मध्यावधि चुनावों के प्रमुख मुद्दों के रूप में पहचाना गया है। सर्वेक्षण में शामिल 800 पूंजीकृत दक्षिण एशियाई मतदाताओं में से 87 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी हैं जबकि शेष 13 प्रतिशत पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव, अफ़गानिस्तान और म्यांमा के अलावा कंबोडिया के खमेर समुदाय से संबंधित है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस को वोट देने वालों में से 96 प्रतिशत आगामी चुनावों में डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के पक्ष में अपना वोट डालने की योजना बना रहे हैं। सर्वेक्षण में पाया गया कि ट्रंप को वोट देने वाले 67 प्रतिशत दक्षिण एशियाई अमेरिकी अब भी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन करते हैं, लेकिन 25 प्रतिशत ने कहा कि वे डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करेंगे।



एवं जानवरों के विकास की कड़ी को समझा जा सकता है, लेकिन जब वैज्ञानिकों को चमगादड़ों के जीवाश्म मिलते हैं, तो वे लगभग पूरी तरह विकसित चमगादड़ों के ही होते हैं। चमगादड़ उड़ान भरने और हवा में बने रहने के लिए राक्षस रूप से अपने पंखों का इस्तेमाल करने वाले इकलौते स्तनपायी हैं। पहले किए गए अध्ययनों में अमेरिका, अफ्रीका या एशिया को उनकी संभावित जन्मस्थली बताया गया था। अलग-अलग आंकड़ों और गणना के तरीकों से अलग-अलग नतीजे सामने आए।

अम्बिकापुर, 30 अक्टूबर,शुक्रवार 2026



इसलिए अब एक्सचेंज और ब्रोकर एक ही टीम के रूप में इस खतरे से लड़ेंगे। यह एक स्वागतयोग्य बदलाव है।यहां नियामक केवल दंड नहीं, बल्कि साझेदारी की बात कर रहा है। एक से तीन वर्ष का रोडमैप करने की कबिलेतारीफ पहल। हर सदस्य की तकनीकी जांच और सुरक्षा कवच। इस कार्यबल का सबसे व्यावहारिक और प्रभावी पहलू इसका समयबद्ध रोडमैप है। योजना के तहत सदस्यों का चरणबद्ध मार्गदर्शन किया जाने का प्रावधान है जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अगले एक से तीन वर्षों में एएनएमआई के सभी सदस्यों को उचित साइबर मार्गदर्शन मिले, उनकी तकनीकी कमजोरियों की गहन जांच हो। उन्हें भविष्य के खतरों से सुरक्षित रखा जाए। यह कैसे संभव होगा? वर्ष 1 में ऑर्डर और जागरूकता का उद्देश्य है। सभी सदस्यों के सिस्टम का साइबर सिम्योरिटी ऑडिट, उनके कर्मचारियों के लिए डीपफेक और फिशिंग पहचान का प्रशिक्षण। छोटे शहरों के सब-ब्रोकर, जो अक्सर पुराने सॉफ्टवेयर पर काम करते हैं, उनकी पहचान और प्राथमिक सहायता। वर्ष 2 में अपग्रेडेशन और मानकीकरण पर बल देने की योजना है। कमजोर पाए गए

सिस्टम को अनिवार्य रूप से अपग्रेड करना, सभी टर्मिनलों पर मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन और एंड-टू-एंड एंक्रिप्शन को अनिवार्य बनाना। ड्रिल, यानी नकली एआई हमला करके यह परखना कि ब्रोकर हाउस कितनी जल्दी रिकवर होता है। यह एक से तीन साल का यह 'सुरक्षा कवच' कार्यक्रम भारतीय पूंजी बाजार को केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि भविष्य के लिए तैयार रहने वाला बाजार बनाएगा। सबसे आश्चर्य की बात... ! अमेरिका और जापान जैसे विकसित देश भी इससे अछूते नहीं हैं। यह तो वैश्विक महामारी बन चुका है। समाचारपत्रों, पत्रिकाओं व एआई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका में 2024 में सिक्वोरिटिज एंड एक्सचेंज कमीशन के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट को हैक कर एआई-जनरेटेड पोस्ट से बिटकॉइन ईटीएफ की मंजूरी की झुठी खबर फैलाई गई, जिससे 5 मिनट में बिटकॉइन की कीमत 1,000 डॉलर उछल गई। एफबीआई के अनुसार, अमेरिका में वॉइस क्लोनिंग से सीईओ फ्रांंड के मामलों में पिछले साल 400% की वृद्धि हुई है। जापान में, टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज ने माना है कि उसके ब्रोकर सदस्यों पर एआई-आधारित डी-डॉस हमले बढ़े हैं, जहां बॉट्स नकली ट्रेडिफ़ के सिस्टम को जाम कर देते हैं ताकि उसी दौरान दूसरे रास्ते से सेंध निकलेगा। भविष्य की ढाल क्रिप्टोग्राफीक सुरक्षा हो सकती है? साथ साथ क्वांटम तैयारी भी।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 5 से 7 वर्षों में क्वांटम कंप्यूटर इतने शक्तिशाली हो जाएंगे कि वे मौजूदा एसएसएल ताले को सेकंड में तोड़ देंगे। तब आज का एंक्रिप्टेड डेटा भी असुरक्षित हो जाएगा। अतः यह निचोड़ निकाल सकते हैं कि एआई आधारित साइबर अपराध को कहीं दूर की आशंका नहीं, बल्कि हमारे ट्रेडिंग टर्मिनल के दरवाजे पर खड़ा एक वास्तविक खतरा है। एनएसई द्वारा एएनएमआई के साथ विशेष कार्यबल का गठन, एक से तीन साल का व्यवहारिक रोडमैप और क्वांटम-रेडी सुरक्षा की तैयारी - ये तीनों कदम बताते हैं कि भारत पूंजी बाजार इस खतरे को गंभीरता से ले रहा है। याद रखिए, बाजार में सबसे बड़ा मुनाफ़ा तेज ट्रेडिंग से नहीं, बल्कि सुरक्षित ट्रेडिंग से आता है। तकनीक के इस युग में निवेशक को सबसे बड़ी पूंजी उसका रिटर्न नहीं, उसकी सतर्कता है।

(लेखक कुलनाऊ करत विधि, रायपुर के कुलकर्णी हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

हनुमान जी से सीखें सफल होने के मंत्र

हिंदू धर्म में हनुमान जी को शक्ति, भक्ति, साहस और सेवा का प्रतीक माना जाता है। उनका जीवन केवल प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति की सीख नहीं देता, बल्कि मुश्किल समय में सही फैसला लेने, जिम्मेदारी निभाने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा भी देता है। रामायण में हनुमान जी से



संकलित

प्रेरणा

जुड़ा। कइ एसा घटनाए ह, जा जावन का चुनौतया का सामना करन का रास्ता दिखाती है। उनके व्यक्तित्व के 8 गुण ऐसे हैं, जिनहें अपनाकर इंसान अपने काम और रिश्तों में बेहतर बख्कला जा सकता है। हनुमान जी का संवाद कौशल उनके व्यक्तित्व की बड़ी विशेषता था। अशोक वाटिका में माता सीता से मिलते समय उन्होंने अपनी वाणी और व्यवहार से उनका विश्वास जीता। इससे सीख मिलती है कि बात केवल अपनी बात रखने की नहीं, बल्कि सामने वाले की भावनाओं को समझने की भी है। सही शब्दों और विनम्र व्यवहार से कठिन बातचीत को भी आसान बनाया जा सकता है। समुद्र पार करते समय सुरसा ने हनुमान जी का रास्ता रोक लिया था। इस बाधा को उन्होंने केवल बल से नहीं, बल्कि अपनी बुद्धि और सूझबूझ से पार किया। उनका यह प्रसंग बताता है कि हर परेशानी का हटा ताकत दिखाने में नहीं होता है। कई बार शांत रहकर परिस्थिति को समझना और समय के अनुसार फैसला लेना ही सबसे बेहतर रास्ता होता है।



प्रकाश पर्व पर बधाई

सिख धर्म के चौथे गुरु श्री रामदास के प्रकाश पर्व पर बधाई। उन्होंने अनुसूचर शहर की नींव रखी और दुनिया को आस्था का एक ऐसा चेहरा दिया, जो आज भी पूरी दुनिया को सेवा और मुक्ति का संदेश दे रहा है। -*अनित शाह, वैदेशी गृहमंत्री*



वोट चोरी

दिल्ली के हर व्यापारी से: हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। मेरी सरकार ने बंद की, सड़के सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला बंदकबंद ने लगाया। जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुनिश्चित नहीं - न आपकी टुकड़न, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य। - *राहुल गांधी, साहब, कांग्रेस*



युवाओं के सपने

जिन युवाओं ने कभी देश की अजर्बदी के लिए अपना खून बहया था, वे आज बेरोजगारी के कारण अपना खून बहाने को मजबूर हैं। बीजेपी ने युवाओं के सपनों को कुचल दिया है। यूपी इस समय बेरोजगारी और काम न मिलने के संकेत से गुजर रहा है। - *अखिलेश यादव, साहब, राधा*



जिंदगी की सच्चाई

जिंदगी की सच्चाई यह है कि जिन लोगों की आप प्यारवा करते हैं, वे कभी न कभी आपको दुख पहुंचा देंगे। आपकी समझदारी इसी में है कि आप सोच-समझकर तुझे कि आप किसे ख़ुद को दुख पहुंचाने की इजाजत देते हैं। - *रामगोपाल वर्मा, पिछलकर*



खबर संक्षेप

आजम की 426 करोड़ की संपत्ति अटैच

प्रयागराज। प्रवर्तन निदेशालय के लखनऊ जोनल ऑफिस ने सपा के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान की रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों को अटैच करने की कार्रवाई की है। मनी लॉन्ड्रिंग केस में अटैच की गई संपत्ति की कीमत 426.46 करोड़ रुपए आंकी गई है।

फिल्म महोत्सव की अंतिम तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने 57वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 के लिए मॉडिया प्रत्यायन हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 4 नवंबर कर दी है। सिनेमा की इस नई दुनिया का अनुभव करने के लिए प्रतिनिधि के रूप में पंजीकरण कर सकते हैं।प्रत्यायन पोर्टल से फार्म जमा कर सकते हैं।

ईशतहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम अमादरहा, तहसील दरिमा, जिला सरगुजा छ०ग०, प.ह.नं. 7, रा.निम. - सोहगा को सूचित किया जाता है कि विक्रता सुशीला अग्रवाल पति धनराम दास अग्रवाल के द्वारा श्री विष्णु प्रसाद गोयल आ० स्व० श्री रामनिवास गोयल को 22 मार्च 2023 को विक्रय किया गया था को कार्यालय में पुस्तक क्रमांक आ.ई.डी. 11294Ka-01 पेज नम्बर 334 359, S.No. 6359 में अंकित है। उक्त रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की मूल प्रति जो सुशीला अग्रवाल ने बसंती पति विजयलाल अरजुन परमान से खरीदी थी जो 22 मार्च 2022 को विक्रय हुई थी की ऑरिजिनल कापी कही गुम हो गई है जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 27.10.2026 को मणीपुर थाना अम्बिकापुर में आवेदक ने दर्ज कराया है

एवं इस संबंध रपथ पत्र पी दिनांक 27.10.2026 को निष्पादित कराया गया है। यदि किसी जनसाधारण को उक्त रजिस्टर्ड विक्रय पत्र मिले है तो जल्द से जल्द आवेदक श्री विष्णु प्रसाद गोयल को लौटा देवे। आवेदक उक्त भूमि को बंधक रखकर बैंक से ऋण प्राप्त करना चाहता है। अतः उक्त रजिस्टर्ड विक्रय पत्र की वैधता का निराकरण एवं गुम होने के संबंध में किसी भी जनसाधारण को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से 7 दिवस के भीतर बैंक में या आवेदक के समक्ष दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं इसके पश्चात की गयी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आवेदक

विष्णु प्रसाद गोयल

पता बिलासपुर चौक, कान्हा टायर्स आर.के. पेट्रोल पम्प के सामने अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

मो.नं. 9406132991

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प०क्र०- /अ-6/2026-27

ईशतहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्येन्द्र सिन्हा आ.स्व. सिद्धेश्वर प्रसाद सिन्हा निवासी फुन्दुरिडिहरी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम फुन्दुरिडिहरी स्थित भूमि खसरा नंबर 130/37 रकबा 0.214 हे० भूमि राजस्व अभिलेखों से मृत खातेदार पार्वती देवी पति सिद्धेश्वर, अनुग्राह्य पिता सिद्धेश्वर, सरिता पिता सिद्धेश्वर, संगीता पिता सिद्धेश्वर एवं रोसनी सिन्हा पिता सिद्धेश्वर द्वारा अपने अपने हिस्से की भूमि को बिक्री पूर्व किये जाने का का नाम विलोपित करते हुये फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अधिपाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक:- 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार

अम्बिकापुर, सरगुजा

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' ने आंध्र प्रदेश और यानम में मचाई तबाही

आंध्र प्रदेश में 5 की मौत, 50 से ज्यादा ट्रेनें और उड़ानें रद्द, कई जगह पेड़ गिरे

तेज हवाओं और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदम

आंधी से उखड़े सैकड़ों पेड़-खंभे समुद्र में फंसा सल्फर से लदा मालवाहक जहाज

आंध्र प्रदेश के अंतर्वेदी के पास समुद्र में सल्फर ले जा रहा एक मालवाहक जहाज रास्ते से भटकने के बाद उथले पानी में फंस गया। यह घटना चक्रवात अर्नब के बीच सामने आई है। जहाज विशाखापत्तनम से रवाना हुआ था। बताया जा रहा है कि इंजन में खराबी आने के बाद जहाज अपना रास्ता भटक गया और अंततः अंतर्वेदी के पास समुद्र में फंस गया। संबंधित अधिकारियों के निरीक्षण के बाद जहाज की स्थिति का आकलन किया जाएगा और आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

यहां मारी बारिश से बाढ़ का भी खतरा मंडरा रहा

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' ने बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश और यानम के तटीय इलाकों में टकराना शुरू कर दिया है, जिससे वहां भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश, तेज हवाओं और संभावित बाढ़ से निपटने के लिए आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में प्रशासन ने एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं।मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के केंद्र में हवा की रफ्तार 125 से 135 किमी प्रति घंटा है, जो झोंकों के साथ 150 किमी प्रति घंटा तक पहुंच रही है। पिछले तीन घंटों में तूफान 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। अनुमान है कि शुरुआत में धीमी गति से उत्तर-पश्चिम की तरफ बढ़ेगा और फिर उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर रुख करेगा। बुधवार तड़के अर्णब आंध्र प्रदेश के तट के पास टकराया। इस पूरी प्रक्रिया में 6 घंटे से अधिक का समय लगा। चक्रवात से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने मारी बारिश की चेतावनी दी

भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशक मंगेश्वरी ने बताया कि तूफान के जमीन की ओर बढ़ने के दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है। हवा के झोंकों की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की आशंका है। मलकांगिरि, कोरापुट, नक्सलगपुर, रायगड़ा, गजपति और कालाहांडी में बेहद भारी बारिश और रेड अलर्ट जारी किया है।

रेल मंत्री रख रहे कटीबी नजर

रेल पटरियों पर 10 जगह गिरे पेड़, तेजी से हटाया गया

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि 'अर्नब' के टकराने के बाद रेलवे नेटवर्क पर 10 जगहों पर पेड़ गिर गए थे। राहत टीमों ने तत्परता दिखाते हुए सभी स्थानों से पेड़ों को तुरंत हटाकर ट्रैक साफ कर दिया।

नायडू ने शाह से की बात

आंध्र प्रदेश के सीएमएन. चंद्रबाबु नायडू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 'अर्नब' से प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की टीमों की मदद बढ़ाने का अनुरोध किया है। केंद्र से अपील की है कि चक्रवाती तूफान से हुए जान-माल और फसलों के नुकसान का जायजा लेने के लिए केंद्रीय टीमों की जल्द से जल्द आंध्र प्रदेश भेजने को कहा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा

‘ब्रिग बैक बैलेट’ इंस्टा ब्लॉक केंद्र और मेटा से जवाब मांगा

एजेसी॥ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 'ब्रिग बैक

मद्रास हाईकोर्ट ने साफ की स्थिति

गैरहिंदुओं को नहीं मिलेगा मंदिर में प्रवेश, परंपरा से समझौता नहीं

एजेसी॥ चेन्नई

मद्रास हाई कोर्ट ने आगम मंदिरों में

मंत्रिमंडल ने कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी

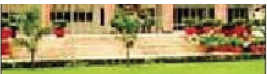
कंटेनर के आयात पर निर्भरता घटेगी व आपूर्ति मजबूत होगी

वैष्णव ने कहा-केंद्रीय बजट में की गई थी घोषणा

एजेसी॥ नई दिल्ली

योजना वित्त वर्ष 2039-

बैलेंट' नाम के इस्टाग्राम खात को ब्लॉक करने के खिलाफ दायर एक याचिका पर केंद्र सरकार और मेटा प्लेटफॉर्म से उनका पक्ष बताने को कहा है। इस्टाग्राम हैडल पर चुनावों में मत पत्र के इस्तेमाल का समर्थन करने वाली सामग्री प्रकाशित की जाती थी। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने 27 अक्टूबर को अकाउंट संचालक, संगठन 'मिशन सेव कॉन्सिस्टेंस्यूशन' और इसके संस्थापक वकील महमूद प्राचा की



याचिका पर नोटिस जारी किया और 6 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। जिस दिन संगठन ने जंतर-मंतर पर 'ब्रिग बैक बैलेट'- ईवीएम हटाओ, देश बचाओ' नाम से एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का प्रस्ताव रखा, उसी दिन उसे पता चला कि भारत में उसका 'ब्रिग बैक बैलेट' हैडल उपलब्ध नहीं है।

बुंदेलखंड प्रयागराज के लोकप्रिय बाहुबली भाजपा नेता नहीं रोक सके मानसिंह यादव का रथ: सिद्धार्थ पांडे

संवाददाता

चित्रकूट। जनपद के समाजवादी पार्टी के युवा नेता जिला पंचायत सदस्य सिद्धार्थ पांडे ने बताया की मोदी योगी के

लोकप्रियता प्रजातंत्र में घट रही है। एम एल सी चुनाव में समाजवादी पार्टी के मानसिंह यादव ने बुंदेलखंड प्रयागराज स्नातक क्षेत्र से विजय हासिल कर लिया। बुंदेलखंड प्रयागराज में समाजवादी पार्टी का

जीत का रथ नहीं रोक पाए भाजपा के लोकप्रिय बाहुबली पदाधिकारी। कहा जाता है कि मऊ मानिकपुर के वर्तमान विधायक प्रयागराज, कौशांबी, चित्रकूट में बांदा में अपना दम



को सख्ती से लागू करने और नियमों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति श्रीआर स्वामीनाथन और न्यायमूर्ति पी मुरगन की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल आगम मंदिरों पर लागू होता है। आगम मंदिर प्राचीन ग्रंथों के अनुसार बनाया जाता है, प्रतिष्ठित किया जाता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंटेनर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के लिए 10,000 करोड़ के आवंटन वाली 'कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना' को मंजूरी दी। यह योजना वित्त वर्ष 2039-40 तक लागू रहेगी। योजना का उद्देश्य कंटेनर के आयात पर निर्भरता कम करना और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। इसके तहत नई

चित्रकूट पुलिस ने गैंगरेप की घटना में शामिल 50 हजार रुपए के इनामिया अभियुक्त को असलहा सहित किया गिरफ्तार

संवाददाता

चित्रकूट पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध पर अंकुश लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर



विनिर्माण इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों की क्षमता बढ़ाने में सहायता दी जाएगी। देश में कंटेनर के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस योजना की घोषणा केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई थी।

40 तक लागू रहेगी

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा मंत्रिमंडल की बैठक में कंटेनर विनिर्माण प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी गई है। यह योजना 2039-40 तक लागू रहेगी। योजना के तहत पात्र विनिर्माताओं को ब्याज सस्मिडी, परिचालन व्यय सहायता, परिक्षण प्रमाणन सहायता तथा भूमि पट्टे पर लेने के लिए सहायता दी जाएगी।



मानिकपुर चले गए। इसी दौरान साथी मौके से भागने में सफल रहा। वापस आने पर अभियुक्तगण पीड़िता को करीब 3-4 घंटे जंगल में रोकने के बाद उसके साथी की मोटरसाइकिल पर बैठकर मारकुंडी, हनुमानधारा होते हुए कबीं पेट्रोल पंप के पास छोड़ दिया और जान से मारने की धमकी देकर किसी को न बताने को कहा था। इस सूचना के आधार पर थाना मानिकपुर पर मु0अ0सं0 101/2026 धारा 70(2),127(2),351(3),304(2),131बीएनएस व 534/6 पॉक्सो एक्ट बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के क्रम में घटना में शामिल अभियुक्त कोतवाली देहात जनपद बांदा(25 हजार का इनामिया) को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। घटना में शामिल फरार अभियुक्त सुभाष उर्फ लल्लू उर्फ लाला पुत्र जगजीत वर्मा निवासी करवई थाना कोतवाली देहात जनपद बांदा को गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र,बांदा द्वारा 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया। इसी क्रम में दिनांक 27.10.2026 को प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर व रडव्हा की संयुक्त टीम ने मुखबिर

की सूचना पर घटना में शामिल फरार इनामिया अभियुक्त सुभाष उर्फ लल्लू उर्फ लाला की तलाश में रवाना होकर झरी फाटक पर मौजूद थे कि मुखबिर ने आकर बताया कि वही इनामिया अभियुक्त चोरी की मोटरसाइकिल के साथ चूल्ही जाने वाले मोड़ के आस पास कोई घटना करने के फिराक में जंगल क्षेत्र में घूम रहा है जल्दी किया जाए तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को आवश्यक बल प्रयोग कर उसे पकड़ा गया। जिससे नाम पता पृच्छने पर अपना नाम सुभाष उर्फ लल्लू उर्फ लाला पुत्र जगजीत वर्मा निवासी करवई थाना कोतवाली देहात जनपद बांदा बताया जिसकी जामा तलाशी से 01 अदद एंड्रॉयड फोन वीवी,01 आधार कार्ड व 140 रुपये बरामद हुए तथा उसके पास मिली बिना नंबर की पल्सर मोटरसाइकिल जिसको ई-चालान से चेक करने पर उसका असली नंबर वड96व1482 होना पाया गया जो थाना मानिकपुर के मु0अ0सं0 177/26 धारा 303(2) बीएनएस की चोरी की है

बस्तर संभाग के 116 नेताओं की वीआईपी सुरक्षा में कटौती, केदार कश्यप-दीपक बैज शामिल: डिप्टी सीएम शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सल हालातमें सुधार के बीच सरकार ने वीआईपी सुरक्षा की समीक्षा करते हुए बड़ा फैसला लिया है। बस्तर संभाग के भाजपा-कांग्रेस के 116 नेताओं की सुरक्षा श्रेणी कम करने की तैयारी है। इनमें कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप, पीसीसी चीफ दीपक बैज, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और कवासी लखमा शामिल हैं। 9 नेताओं की सुरक्षा जेड+ से घटाकर जेड की जाएगी। गृह विभाग जल्द औपचारिक आदेश



जारी करेगा।
डिप्टी सीएम विजय शर्मा का बयान
उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि

परिस्थितियां सामान्य होने पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा होनी चाहिए। नेताओं को लोकसेवक बताते हुए विशेष सुरक्षा का नए सिरे से आकलन जरूरी है। इसे

पुलिस बल और संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में बदलाव माना जा रहा है।

किनकी सुरक्षा घटेगी

जानकारी के अनुसार केदार कश्यप, महेश गागड़ा, दीपक बैज, कवासी लखमा और कर्मा परिवार की जेड+ सुरक्षा घटाकर जेड की जाएगी। बाकी विधायकों, सांसदों और पूर्व मंत्रियों में कुछ की सुरक्षा जेड से वाई की जाएगी। अंतिम सूची गृह विभाग के आदेश से स्पष्ट होगी।

सुरक्षा पर 150 करोड़ खर्च का दावा

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार प्रदेश में करीब 400 नेताओं की सुरक्षा में 1550 से अधिक जवान और 500 से ज्यादा वाहन लगे हैं, जिन पर सालाना करीब 150 करोड़ रुपए खर्च होने का दावा है। जम्मू-कश्मीर के बाद छत्तीसगढ़ इस मामले में प्रमुख राज्यों में है। बस्तर में ही करीब 250 स्थानीय नेताओं को सुरक्षा मिली हुई है, जिसमें 1000 से अधिक जवान तैनात होने का दावा है।



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेंड्रा-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर पटियाला हाउस के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब एक दुर्लभ सफेद भालू जंगल से भटककर मुख्य

सड़क और रिहायशी इलाके में आ पहुंचा। सड़क पर अचानक भालू को घूमते देखा आवागमन थम गया। राहगीरों ने गाड़ियां रोक दीं और मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एल्बिनिज्म के कारण सफेद है रंग

वन विशेषज्ञों के मुताबिक यह कोई नई प्रजाति नहीं है। यह भारतीय काले भालू (स्लॉथ बियर) ही है, लेकिन आनुवंशिक विकार एल्बिनिज्म (रंग वर्ण दोष) के कारण इसका रंग काला न होकर पूरी तरह सफेद हो गया है।

वन विभाग के अनुसार इससे पहले भी मरवाही वनमंडल के जंगलों में इस सफेद भालू की मौजूदगी देखी जा चुकी है।

वन विभाग ने की अपील

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम अलर्ट हो गई और मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू कर दी। किसी भी मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए भालू को सुरक्षित घने जंगल की ओर मोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग ने स्थानीय लोगों और राहगीरों से अपील की है कि भालू के पास न जाएं, उसे घेरने, छेड़ने या उसका ने की कोशिश न करें।

पर्यावरण संरक्षण में स्काउट्स-गाइड्स निभाएं भूमिका: राज्यपाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लोकभवन में 1122 को दिया राज्य पुरस्कार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। स्काउट्स-गाइड्स जल संचयन और वनों की रक्षा में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना भी की। राज्यपाल लोकभवन के छत्तीसगढ़ मंडप में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशभर के 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान किए। अध्यक्षता शिक्षा मंत्री और



संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की।

बस्तर में शांति के बाद विकास तेज - राज्यपाल
राज्यपाल ने कहा कि स्काउट्स का आदर्श वाक्य 'तैयार रहो' जिम्मेदारियों के

लिए तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। पुरस्कार के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। बस्तर से आए स्काउट्स-गाइड्स की मौजूदगी पर उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि नक्सलवाद के ख़ात्मे के बाद बस्तर में शांति स्थापित

हुई है और क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि स्काउटिंग की वर्दी अनुशासन, सेवा और समर्पण का प्रतीक है और स्काउटिंग से जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा भाव से काम करता है।

इन 1122 को मिला सम्मान

समारोह में 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रेंजर्स को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्काउटर योगेश्वर प्रसाद गांगुली (बालोद), सर्वश्रेष्ठ गाइडर तनुजा बंजारे और लता वैष्णव (महासमुंद), सर्वश्रेष्ठ रोवर राजमणि बंजारे व चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ रेंजर विभूति वर्मा और कृति बिजौर, सर्वश्रेष्ठ स्काउट ईश साहू, हरीश खोटे, राजवीर भट्ट और सर्वश्रेष्ठ गाइड दिव्या पटेल व दीप्ति पटेल को सम्मानित किया गया। दीर्घकालीन सेवा के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन नायक, विनोद हथेल, शशि बंछोर और रजनी रेड्डी को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान लोकभवन में पदस्थ एडीसी उदित पुष्कर को रैंक बैज लगाकर सम्मानित किया गया।

25 हजार की रिश्वत के आरोप में पटवारी निलंबित, 7 दिन में आरोप पत्र के निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। राजस्व कार्य के लिए 25 हजार रुपए रिश्वत लेने के आरोप में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने पटवारी ऋषिपुरी गोरखाम्नी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। पटवारी पहले हल्का नंबर 14 में पदस्थ था, वर्तमान में पचपेड़ी तहसील के हल्का नंबर 05 में कार्यरत था। तहसीलदार पचपेड़ी ने 28 अक्टूबर को जांच रिपोर्ट सौंपी थी। आदेश में इसे छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के



विरुद्ध गंभीर कदाचरण और शासन की छवि धूमिल करने वाला कृत्य बताया गया है।

जमीन बंटवारे के लिए 50 हजार में सौदे का दावा
मामला जमीन बंटवारे से जुड़ा है। वायरल वीडियो करीब 4 महीने पुराना बताया जा रहा है।

वीडियो सामने आने के बाद मस्तूरी एसडीएम बजरंग वर्मा ने तहसीलदार प्रकाश साहू को जांच सौंपी थी। पटवारी को बयान के लिए मस्तूरी बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आया। वीडियो में पटवारी जमीन मालिकों से पैसों के लेनदेन की बात करता दिख रहा है। दावा है कि बंटवारे के लिए 50 हजार

रुपए में सौदा तय हुआ था, जिसमें 25 हजार रुपए पटवारी के हिस्से थे। वीडियो में एक व्यक्ति नोटों की गड्ढी देता दिख रहा है और पटवारी कहता है कि इतनी रकम से काम नहीं चलेगा।

निलंबन में कोटा रहेगा मुख्यालय

निलंबन अवधि में पटवारी का मुख्यालय एसडीएम कोटा कार्यालय में रहेगा और नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। कलेक्टर ने तहसीलदार पचपेड़ी को 7 दिन में आरोप पत्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अंतिम निष्कर्ष विभागीय जांच के बाद आएगा।

चक्रवात अर्नब पर अमित शाह का एक्शन, सीएम से फोन पर ली हालात की जानकारी, केंद्रीय टीम करेगी नुकसान का आकलन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से हो रही बारिश के बीच केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों की मदद के लिए कदम बढ़ाए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से फोन पर चर्चा कर हालात की जानकारी ली और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। गृह मंत्रालय ने बताया कि नुकसान के आकलन के लिए जल्द ही अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) भेजी जाएगी। अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के साथ आंध्र प्रदेश, ओडिशा और पुडुचेरी के मुख्यमंत्रियों से भी बात



की। उन्होंने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों राहत-

बचाव में लगी हैं। अर्नब का असर छत्तीसगढ़ के दक्षिण और मध्य क्षेत्र में दिख रहा है। 128 अक्टूबर से बस्तर संभाग में बारिश और तेज

हवा चल रही है, वहीं 29 अक्टूबर को रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और जांजगीर-चांपा में भी बारिश हुई। कुछ निचले इलाकों में जलभराव की आशंका है। आईएमसीटी टीमें प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान और मदद की जरूरतों का आकलन करेंगी, जिसके आधार पर आगे सहायता तय होगी। टीमों के पहुंचने की तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। इससे पहले राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति ने भी राहत शिविरों, बचाव दलों और संसाधनों की तैयारी की समीक्षा की थी। मौसम विभाग के अनुसार सिस्टम धीरे-धीरे कमजोर होगा, लेकिन सावधानी जरूरी है।

राजधानी में पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 29 पुलिसकर्मियों की बदली तैनाती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कमिश्नरेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के तहत 29 अधिकारियों और कर्मचारियों की पदस्थापना बदली गई है। इसमें उपनिरीक्षक, एएसआई, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं। सभी को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से नई जगह तैनात किया गया है। खमतराई, डीडी नगर, सिविल लाइन, आमानाका, खम्हारडीह, सरस्वती नगर, गुढ़ियारी, कोतवाली, टिकरापारा, तेलीबांधा, गंज, कबीर नगर, राजेंद्र नगर के साथ महिला थाना, यातायात, कंट्रोल रूम और रक्षित केन्द्र में बदलाव किए गए हैं।



महिला थाना और पिक गश्त में बदलाव

खमतराई थाने की ज्योति राजपूत को महिला थाना, डीडी नगर के एएसआई राधेलाल साहू को रक्षित केंद्र, पिक गश्त की

स्वलेहा शेख को आमानाका और आमानाका की सरिता यादव को पिक गश्त में भेजा गया है। रक्षित केंद्र के नागेंद्र सिंह को खमतराई, सरस्वती नगर के आंसकर केरकेट्टा को रक्षित केंद्र और खम्हारडीह के अभय गणोरकर

को यातायात में पदस्थ किया गया है।

कोतवाली, सिविल लाइन में नई तैनाती

गुढ़ियारी के सियाराम धुर्वे को रामनगर चौकी, कोतवाली की प्रीति वर्मा को महिला थाना, एसीपी कोतवाली कार्यालय के मेहतर सिंह को खम्हारडीह, सिविल लाइन के खेमराज वर्मा को एसीपी सिविल लाइन कार्यालय, महिला थाने की प्रमीला कुंजाम को कोतवाली भेजा गया है। कामता जांगड़े का डीडी नगर तबादला निरस्त कर महिला थाने में ही रखा गया है।

टिकरापारा, तेलीबांधा में फेरबदल

रक्षित केंद्र की लेखा अग्रवाल

को सिविल लाइन, सिविल लाइन की चंद्रकला साहू को टिकरापारा, टिकरापारा के रामनारायण पटेल को तेलीबांधा भेजा गया। दानेश्वर वर्मा और एकेश्वर वर्मा को डीडी नगर, प्रमोद चंदेल को राजेंद्र नगर और सरस्वती सिन्हा को कंट्रोल रूम भेजा गया है।

रक्षित केंद्र से थानों में भेजे गए

बबीता बांधे को तेलीबांधा, विकास तिवारी को गंज, डिोश्वरी धुव को महिला थाना, अजय लकड़ा को यातायात, कमलेश दीवान को रक्षित केंद्र, अनिता द्विवेदी को टिकरापारा, प्रशांत साहू को कबीर नगर, डोमार देव को आमानाका और तुक्केश्वर सिन्हा को कमल विहार सहायता केंद्र भेजा गया है।

जनजातीय अंचलों में पर्यटन से खुलेंगे रोजगार के द्वार, होम-स्टे से आत्मनिर्भर बनेंगे आदिवासी परिवार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में होम-स्टे और पर्यटन के जरिए रोजगार के नए अवसर खुल रहे हैं। राज्य सरकार की नई उद्योग नीति और होम-स्टे नीति के तहत बस्तर, सरगुजा, जशपुर जैसे क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं और महिला समूहों को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर द्वारा 28 अक्टूबर को एक दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर के जनजातीय हितग्राहियों को शामिल किया गया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और आईआईएम रायपुर ने



तकनीकी सहयोग दिया।

संस्कृति और पर्यटन से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

टीआरटीआई संचालक हिना अनिमेष नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों के लिए आकर्षण हैं। होम-स्टे से स्थानीय परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और सांस्कृतिक

विरासत को नई पहचान मिलेगी।

तीन सत्रों में दिया गया प्रशिक्षण

पहले सत्र में पर्यटन विभाग की डॉ. शुभदा चतुर्वेदी ने होम-स्टे नीति, पंजीयन प्रक्रिया, मानकों और अनुदान की जानकारी दी। दूसरे सत्र में आईआईएम रायपुर की तौशीफ आयशा अंसारी ने स्वच्छता, अतिथि सत्कार, रखरखाव और कम संसाधन से व्यवसाय शुरू करने के टिप्स दिए।

सीतापुर को मिली 28.41 करोड़ की सौगात सीएम साय ने किया फोरलेन सड़क का शिलान्यास

सोनतराई से सूर तक 3.82 किमी होगा चौड़ीकरण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर वासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज वरुंचल माध्यम से सीतापुर शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर 28.41 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली फोरलेन सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।सीतापुर के सांस्कृतिक भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विधायक रामकुमार टोप्पो सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

क्या होगा काम?

वन टाइम इम्प्रूवमेंट के तहत सोनतराई से सूर तक राष्ट्रीय



राजमार्ग क्रमांक-43 के किमी 433.850 से 437.670 तक कुल 3.82 किलोमीटर सड़क का फोरलेन चौड़ीकरण किया जाएगा।सड़क के दोनों ओर 7-7 मीटर चौड़ी डामरीकृत सड़क बनेगी।बीच में डिवाइडर बनाया जाएगा।पूरी लंबाई में दोनों ओर

नाली निर्माणस्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, जिससे रात में आवागमन सुरक्षित होगा।एक बोले - सड़कें विकास की आधारशिला वरुंचल संबोधन में मुख्यमंत्री साय ने कहा, सड़कें विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।

विधायक टोप्पो ने जताया आभार

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा, लंबे समय बाद मुख्यमंत्री ने सीतापुर को यह महत्वपूर्ण सौगात दी है। इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। इस फोरलेन से विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वे मानव तस्करी की रोकथाम, नशामुक्ति और लोगों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में मंत्री रामविचार नेताम, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज (वरुंचल), लुंडा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेमदान कुजूर सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

NH-43 के चौड़ीकरण से यातायात सुगम होगा और स्थानीय नागरिकों के साथ इस मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भी लाभ मिलेगा।

किसान पर डंडे से हमला, सिर से बहने लगा खून

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पम्पापुर पटेलपारा निवासी मुन्ना मझवार ने पारस राम मझवार के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रार्थी ने पुलिस ने बताया है कि, घुरन मझवार की बाड़ी में वह सरसों बोया है, जिसके बगल में पारस राम नया मकान बनाया है। 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे पारस राम फसल को रौंदते हुए चल रहा था, मना करने पर गाली देते हुए हाथ में रखे बांस के डंडे से सिर पर वार कर दिया, जिससे खून निकलने लगा। इस दौरान उसकी पत्नी लीलावति और स्वजन ने बीच-बचाव किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बाइक सवार की इलाज के दौरान मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर थाना अंतर्गत बुधवार की रात लगभग 8 बजे हुए एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मामले में स्थानीय पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम पुटा बेलदाब निवासी मिथलेश दास पिता नईहर दास 22 वर्ष बुधवार को अपराह्न करीब 3 बजे अपने दोस्तों के साथ जजगा मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकला था। बताया जा रहा है कि मिथलेश अपनी मोटरसाइकिल में अकेले था, वहीं दोस्त दूसरे वाहन में सवार थे। वापसी के दौरान रात करीब 8 बजे वह पेट्रोल लेने पेट्रोल पम्प गया



था। यहां से निकलने के बाद किसी अज्ञात वाहन के चालक ने पेट्रोल पम्प और मंदिर के बीच में उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में युवक को सिर में और शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई थी। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुर

पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को कब्जे में लिया। घटना की सूचना पड़ोस में रहने वाले मंगल दास ने फोन करके मिथलेश के स्वजन को दी। इसके बाद घायल को स्थानीय लोगों के सहयोग से एम्बुलेंस से उदयपुर स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। यहां से गंभीर

हालत में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रिफर किया गया था। यहां उसे आईसीयू में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान देर रात 11.55 बजे डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपकर एमएसपी 3358 रुपये, बायोमेट्रिक खत्म करने और 150 रुपये बकाया देने की मांग

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने वाली है, लेकिन सरगुजा जिले में अब तक सैकड़ों किसानों का पंजीयन और गिरदावरी का काम अधूरा पड़ा है। डिजिटल फसल सर्वेक्षण और राजस्व विभाग की धीमी प्रक्रिया से किसान परेशान हैं। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है और कृषि मंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है।

जिलाध्यक्ष नरेंद्र कठगर ने कहा कि जब किसानों को अपनी उपज बेचने की तैयारी करनी चाहिए, तब उन्हें सरकारी प्रक्रियाओं और तकनीकी खामियों में उलझाया जा रहा है। सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है। अगर मांगें नहीं मानी गईं तो पार्टी पूरे प्रदेश में किसानों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन करेगी।

आप की 5 प्रमुख मांगें

केंद्र सरकार ने पिछले तीन वर्षों में एमएसपी में कुल 258 रुपये



की वृद्धि की है। 2024-25 में 117 रुपये, 2025-26 में 69 रुपये और 2026-27 में 72 रुपये। यदि इसे राज्य सरकार के वर्तमान 3100 रुपये में जोड़ा जाए तो किसानों को 3358 रुपये प्रति क्विंटल मिलना चाहिए। कहा गया है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना की अंतिम किस्त 150 रुपये प्रति क्विंटल अभी भी बकाया है। इसे जल्द से जल्द किसानों के खाते में डाला जाए। पटवारी हड़ताल के दौरान ऐप से रकबा संशोधन और समर्पण किया जा रहा है, जिससे बड़ी त्रुटि की आशंका है। पिछले साल इसी विसंगति के कारण

कुछ किसानों ने आत्महत्या का प्रयास किया था। बिना किसान की सहमति के रकबे में कोई छेड़छाड़ न की जाए। यदि इस साल किसी किसान ने ऐसा कदम उठाया तो जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इसके अलावा धान खरीदी में अंगुठा लगाना अनिवार्य करने से बुजुर्ग किसानों को सर्वर और नेटवर्क की समस्या के कारण दिक्रत हो रही है। इस नियम को तत्काल निरस्त करने और अर्नब चक्रवात के कारण हो रही असमय बारिश से खड़ी फसल नष्ट होने की आशंका है। शासन समय पर गिरदावरी कर क्षतिपूर्ति की कार्रवाई करने की मांग की गई है।

एनएच पर सेमरसोत जंगल में पलटी बर्फानी बस, बड़ा हादसा टला, यात्री सुरक्षित

छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर। नेशनल हाईवे 343 पर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। पास्ता थाना क्षेत्र के सेमरसोत जंगल में गढ़वा (झारखंड) से अंबिकापुर आ रही बर्फानी बस क्रमांक एमपी 09 एफए 6511 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित हैं।

जानकारी के अनुसार, बस झारखंड के गढ़वा से अंबिकापुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान सेमरसोत के घने जंगल वाले मोड़ पर सामने से एक अन्य वाहन आ गया। उसे साइड देने के प्रयास में बस का पहिया सड़क किनारे की कच्ची जमीन पर उतर गया। हाल ही में हुई बारिश के कारण सड़क किनारे की मिट्टी गीली और कमजोर हो गई थी, जिससे मिट्टी धंस गई और बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। बस में 30 से अधिक यात्री सवार थे। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और जंगल से गुजर रहे अन्य वाहन चालक मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने



तत्परता दिखाते हुए बस के सवार यात्रियों को खिड़की, दरवाजे से बाहर निकाला। कुछ यात्रियों को मामूली खरोंच आई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यात्रियों की सुध ली। पुलिस ने मार्ग पर यातायात बहाल कराया। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण सड़क किनारे की कच्ची और धंसी हुई जमीन होना सामने आया है। बहरहाल, यात्रियों के सुरक्षित रहने से सभी ने राहत की सांस ली।

सड़क हादसे में घायल अज्ञात अधेड़ की मौत

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत लुचकी घाट में हुए सड़क हादसे में घायल अज्ञात अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पहचान नहीं होने पर शव को मर्चुरी में रखवाया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात



युवक को पड़े राहगीरों ने देखा

था और इसकी सूचना 108 में डायल करके दी थी। इसके बाद मौके पर एम्बुलेंस के साथ पहुंचे ईएमटी और पॉयलट उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

अस्पताल में भर्ती दिमागी रूप से कमजोर बीमार रस्सी तोड़कर भागा



छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में भर्ती दिमागी रूप से कमजोर एक बीमार रस्सी तोड़कर फरार हो गया। काफी खोजबीन के बाद भी युवक का पता नहीं चलने पर स्वजन ने इसकी जानकारी अस्पताल के पुलिस सहायता केन्द्र में दी है, जिस पर पुलिस युवक के खोजबीन में लगी है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के कुदरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम भंवरखोह निवासी दिनेश कुमार पिता स्व. जयकरण 35 वर्ष का पहले एक्सीडेंट हुआ था, इसके बाद उसकी दिमागी

हालत सही नहीं रहती थी। 28 अक्टूबर को तबियत बिगड़ने पर स्वजन उसे जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, और मेडिकल वार्ड में भर्ती कराए थे। यहां बार-बार वार्ड से बाहर निकलने की कोशिश

करते देखकर उसे रस्सी से बांधकर रखा गया था। सुबह स्वजन कुछ काम से वार्ड से बाहर निकले और दिनेश बलपूर्वक रस्सी को तोड़-खोलकर निकल गया। स्वजन जब वार्ड में पहुंचे तो युवक नहीं था। उसे अस्पताल परिसर के अलावा बस स्टैंड सहित अन्य संभावित स्थानों में तलाशने के बाद स्वलन पुलिस सहायता केंद्र में पहुंचकर इसकी सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी चेक किया तो युवक वार्ड से निकलने के बाद अस्पताल के गेट से बाहर निकलते नजर आया। समाचार लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया है।

राशन कार्ड नहीं होने और भूख की खबर निकली भ्रामक, सीईओ ने कहा-शिकायत निराधार

जांच में सभी के पास मिला राशन कार्ड



छ.ग. फ्रंटलाइन लखनपुर। विकासखंड के ग्राम पंचायत चांदो के आश्रित ग्राम घंटाडीह में पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोगों के राशन कार्ड के अभाव में भूख से जूझते संबंधी वायरल खबर को प्रशासन ने पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है।

दो दिन पहले कुछ लोगों द्वारा शिकायत की गई थी कि घंटाडीह में पहाड़ी कोरवा परिवारों के पास राशन कार्ड मौजूद है और उन्हें नियमित रूप नहीं है, जिससे उन्हें राशन नहीं मिल रहा है। खबर सामने आने के बाद

जनपद पंचायत लखनपुर ने तत्काल जांच टीम भेजी। सरपंच-सचिव और जनपद की मुख्य कार्यपालन अधिकारी लखनपुर खुशबू शास्त्री ने पूरे मामले की जांच की। जांच के उपरांत सीईओ ने स्पष्ट किया कि यह खबर अधूरी जानकारी के आधार पर फैलाई गई है। उन्होंने बताया कि गांव के सभी पात्र पहाड़ी कोरवा परिवारों के पास राशन कार्ड मौजूद है और उन्हें नियमित रूप से राशन मिल रहा है। शिकायत निराधार पाई गई।